

इस दादा खेड़े की घर घर मे जोत जगे हरियाणवी भजन



इस दादा खेड़े की,
घर घर मे जोत जगे,
इसकी दुनिया दिवानी सै,
चरणा मे शीश झुके,
इस दादा खेड़े की,
घर घर मे जोत जगे।bd।

इसकी महिमा नयारी सै,
यो शिव अवतारी सै,
जो दरपे चालया आया,
उसकी तकदीर जगे,
इस दादा खेड़े की,
घर घर मे जोत जगे।bd।

संतो मे संत बडा,
देवौ मे देव बडा,
कोई ऐसी शक्ती सै,
इसकी माया अजब लगै,
इस दादा खेड़े की,
घर घर मे जोत जगे।bd।

शिव नै अवतार लिया,
जग का उददार किया,
इसकी जोत नुरानी सै,
सब सकंट दूर भगै,
इस दादा खेड़े की,
घर घर मे जोत जगे।bd।

अशोक भगत नै भी,
दर पे शिश झुकाया सै,
यो रवि सैन भी जा,
इसके चरणा मे लागै,
इस दादा खेड़े की,
घर घर मे जोत जगे।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



इस दादा खेडे की,
घर घर मे जोत जगे,
इसकी दुनिया दिवानी सै,
चरणा मे शीश झुके,
इस दादा खेडे की,
घर घर मे जोत जगे।bd।

– गायक एवं प्रेषक –
रवि सैन इसराणिया
09812323143